केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. PLG/06/2020-2022 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष २० । अंक २ । भायंदर । फरवरी २०२० । विक्रम संवत २०७६ । पृष्ठ २० । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

केशवसृष्टि में वार्षिक महापूजोत्सव
पूज्य बालयोगी सदानंदजी महाराज
के सान्निध्य में संपन्न

सत्यनाराण महापूजा की झलकियाँ

संपादकीय

गत मास हमने अपना ७१वाँ गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। विभिन्न प्रदेशों की झाँकियाँ और विभिन्न सैन्य दलों का शौर्य भरा संचलन। वैसे ही ६ दिनों के अन्तर से नौदल द्वारा पनडुबी से भारत में बनी ३५०० किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली दो मिसाइलों का सफल परीक्षण। सभी भारतीयों का सीना चौड़ा हो गया। बाहरी आक्रमणों को मुँह देने में तो भारत पूर्णतः सक्षम हो ही गया है, परन्तु भीतर के गद्दरों का क्या? किन्हें अपना समझें? कुछ दिन पूर्व जी टीवी पर चल रहे कार्यक्रम में एक काँग्रेस समर्थक राजनीतिक विश्लेशक ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत में २५ करोड़ मुसलमान हैं, उन्हें अलग से एक टुकड़ा दे दीजिए। और बाक़ी भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित कर दीजिए। १९४७ में इन्हीं काँग्रेसी नेताओं ने देश को बाँटा और फिर भारत को तोड़ने की बात कर रहे हैं। दूसरी ओर कोई तपन बोस अपनी सेना को बलात्कारी बोल रहा है। भारतवासियों को ऐसे देशद्रोहियों से, तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादियों से सावधान हो जाना चाहिए।

गत २६ जनवरी को ही सोनी टीवी पर इंडियन आइडल कार्यक्रम चल रहा था। गणतंत्र दिवस को समर्पित कार्यक्रम था तो उसमें सीमा सुरक्षा बल तथा पुलिस के जवानों को भी आमंत्रित किया गया था। साथ ही कुछ अन्य सेवा कार्यों में लगे लोगों को भी बुलाया गया था। सेना व पुलिस के बारे में तो हम कहते हैं कि उनके कारण हम निश्चिंत होकर सो सकतो हैं। परन्तु अन्य कुछ लोगों ने जो बताया वह आपसे बाँटना चाहूँगा।

नौसेना के एक निवृत्त अधिकारी। उन्होंने मनोरंजन के कार्यक्रमों द्वारा लोगों के तनाव को दूर करने की ठानी। वे एक कलाकार भी थे। एक दिन उन्हें टाटा अस्पताल से फोन आया। एक बालक जोकर से मिलना चाहता है, आप आ सकते हैं? वे जोकर बनकर वहाँ कैंसर पीड़ित बच्चों के बीच गये। अपने चुटकुलों, जादू के खेल आदि से बच्चों को ख़ूब हँसाया। कुछ दिन बाद उन्होंने अस्पताल फोन कर कर उन बच्चों विशेषकर जिसने जोकर से मिलना चाहा था, उसके बारे में पूछा तो बताया गया कि वह बच्चा अब नहीं रहा। उन्हें सुनकर बहुत दुःख हुआ। अब वे अधिकारी समय समय पर अस्पताल जाकर उन बच्चों का मनोरंजन करते हैं।

एक थल सेना से निवृत्त सैनिक पुलिस दल में भर्ती हो गया। एक दिन उसकी ड्यूटी दादर स्टेशन पर लगी थी। शाम के समय वह प्लैटफॉर्म क्रमांक एक पर तैनात था। प्लैटफॉर्म पर यात्रियों की बड़ी भीड़ थी। आने जाने का रास्ता भी नहीं था। अचानक उसने देखा कि पास में एक बुज़ुर्ग यात्री की हालत बिगड़ी और वह गिरनेवाला ही था कि उसने उसे सहारा दिया। ऐसी भीड़ में स्ट्रेचर भी लाना मुश्किल और हालत नाज़ुक, उसने तुरन्त उस बुज़ुर्ग को अपने कंधे पर उठाया। उसका एक साथी भीड़ में से रास्ता बनाते हुए आगे चला और यह जवान बुज़ुर्ग को कंधे पर उठाते हुए प्लैटफॉर्म क्रमांक ६ के बाहर खड़ी अम्बुलन्स गाड़ी तक गया और बुज़ुर्ग को अस्पताल पहुँचाया जिससे उस बुज़ुर्ग की जान बच गयी। अम्बुलंस गाड़ी का ड्राइवर, साइरन बजाता रास्ते पर गाड़ियों के बीच में से निकलता शीघ्रातिशीघ्र रोगी को अस्पताल पहुँचाता है। समय पर उपचार होने से रोगी बच जाता है। उस कार्यक्रम में आये एक ऐसे ही ड्राइवर ने बाताया था कि उसने अब तक ५००-६०० लोगों की जान बचायी है परन्तु उसे कुछ दुख भी हुआ है कि एक बार रास्ते पर ट्रैफ़िक के कारण वह समय पर अस्पताल पहुँच नहीं सकने कारण रोगी को बचा नहीं सका।

छुट्टियों के समय लोग समुद्र किनारे घूमने जाते हैं। कुछ लोग नहाने हेतु समुद्र में उतरते हैं। कभी कभी कोई डूबने लगता है तो वहाँ तैनात जीवन रक्षक दल के लोग उन्हें बचाकर किनारे लाते हैं। उस कार्यक्रम में आये जीवन रक्षकों ने बताया कि वे प्रतिदिन करीब २५ लोगों को डूबने से बचाते हैं। उपरोक्त प्रकार से अपने अपने दायरे में रहकर सेवाकार्य करने वालों का समाज आभारी है। इस मास गुरु रविदास और सरकारी गणनानुसार छत्रपति शिवाजी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी की जयन्ती तथा स्वातंत्र्य वीर सावरकर की पुण्यतिथि आ रही है। इन महापुरुषों को सादर वन्दन। इस मास महाशिवरात्री पर्व भी आ रहा है। उस निमित्त सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम्।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम्।।

(अथर्व वेद६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

फरवरी २०२० मासिक
वर्ष २१ | मूल्य रु. १०/-
अंक २ | वार्षिक रु. १००/-

संपादक मंडल :

सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)

व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :
केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :
२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :
३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन,भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

केशवसृष्टि में वार्षिक महापूजोत्सव

केशवसृष्टि महापूजा इस बार विशेष अंदाज में हुई। इस महापूजा का विशेष आकर्षण पूज्य बाल योगी सदानंद महाराज व उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक की गरिमामय उपस्थिति रही। बाल योगी सदानंद महाराज के आगमन को लेकर आसपास के उनके अनुयायिओं की भारी भीड़ रही। जगह जगह उनका सत्कार किया गया जबकि केशवसृष्टि में उनके आगमन को लेकर कृषि तंत्र निकेतन द्वारा सुंदर रंगोली सजाई गई।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि उत्तरप्रदेश के पूर्व राज्यपाल व केशवसृष्टि के मार्गदर्शक राम नाईक निर्धारित समय पर केशवसृष्टि कार्यालय पहुँचे जहाँ उन्होंने केशवसृष्टि समाचार का अवलोकन किया।

बाल योगी सदानंद महाराज के आगमन के साथ ही भारी भीड़ के साथ बाल योगी सदानंदजी व राम नाईकजी दत्त मंदिर पहुँचे जहा पर दत्त मंदिर के जीर्णोद्धार के लोकार्पण को लेकर चल रही महापूजा में पूजा के यजमान दानदाता श्री प्रणव मजूमदार सपत्नीक व गणपत बांगड़ सपत्नीक के साथ पूजा सम्पन्न करवाई। इस अवसर पर महाआरती हुई। भारी मात्रा में श्रद्धालुओं ने सामूहिक महाआरती की व श्री दत्त मंदिर के जीर्णोद्धार का लोकार्पण धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

उसके पश्चात दत्त मंदिर से परंपरागत ढंग से पूजा स्थान के लिए पालखी यात्रा निकली जो दत्त मंदिर से प्रारम्भ होकर केशवसृष्टि गौशाला मधुबन के रास्ते नाचते थिरकते भजनों के साथ राम रत्ना विद्यामंदिर स्थित पूजा स्थान आम्बा बाग पहुँची।

उधर आम्बा बाग में इस बार भगवान सत्यनारायण की महापूजा को लेकर पूजा स्थान को खूब सजाया गया था। यहाँ पर बाल योगी सदानंद महाराज के बैठने के लिए एक विशेष झोपड़ी बनाई गई जिसमें बैठ कर बाल योगी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया।

इस बार भगवान सत्यनाराण की महापूजा में यजमान के रूप में आसपास के गाँवों के ग्रामीणों ने उत्साह दर्शाया। पूजा में राई से सदानंद राऊत, मोरवा से भरत म्हात्रे, उत्तन से उदय पाटील उस प्रकार से ५ जोड़े बैठे जहाँ धूमधाम से भगवान सत्यनारायण की महापूजा हुई। महाआरती का भक्तों ने लाभ लिया व भगवान सत्यनारायण का प्रसाद ग्रहण किया, यह सिलसिला दिन भर जारी रहा।

केशवसृष्टि महापूजा में बाल योगी सदानंदजी महाराज व पूर्व राज्यपाल रामनाईक की रही विशेष उपस्थिति

इस अवसर पर मंच कार्यक्रम भी हुआ जहा बाल योगी सदानंदजी महाराज की पावन उपस्थिति में केशवसृष्टि के शुभ चिंतकों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल व केशवसृष्टि के मार्गदर्शक राम नाईक ने कहा कि उत्तरप्रदेश व महाराष्ट्र का रिश्ता रामायणकालीन है। अयोध्या से राम ने वनवास के बाद पंचवटी में निवास किया था । उत्तर प्रदेश में राज्यपाल पद के दौरान ५ वर्ष खूब काम किया। कुम्भ मेले में २४ करोड़ लोगों ने त्रिवेणी संगम स्नान किया। मैं कुम्भ मेला आयोजन समिति का अध्यक्ष था। उस नाते मुझे समाधान है। इस अवसर पर तुंगारेश्वर के बाल योगी सदानंद महाराज केशवसृष्टि के अध्यक्ष एस. एस. गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मुकुंद चितले, डॉ अलका मांडके, महेंद्र काबरा, भरत शर्मा सहित अनेक आमंत्रित सदस्य मौजूद थे।

उन्होंने इस दिन को एतिहासिक बताते हुए कहा कि हिंदुत्व के विचारों के प्रतीक स्वामी विवेकानंद की जयंती है तथा इस दिन को हम राष्ट्रीय युवक दिवस के रूप में मनाते हैं ! उन्होंने कहा कि सही अर्थों में बड़ा आदमी वह होता है जो पूरी पृथ्वी को अपना कुटुंब मानता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आवाहन किया कि राष्ट्र निर्माण में फूल की जगह फूल की पंखुड़ी की भी आहुति दें। केशवसृष्टि का नाम राष्ट्रीय स्तर पर बहु आयामी हो।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज मुख्य अथिति के रूप में बाल योगी सदानंद महाराज यहाँ उपस्थित हैं परंतु बाल योगी जैसे संतों को भी विघ्नसंतोषी लोग वन कायदा के नाम पर कष्ट देते हैं तुंगारेश्वर के बाल योगी आश्रम को तोड़ने की मांग करते है तथा न्यायालय जाते है।

इससे पूर्व दत्त मंदिर जीर्णोद्धार का लोकार्पण बाल योगी सदानंद महाराज के करकमलों द्वारा हज़ारों लोगों की उपस्थिति में किया गया। महापूजा में विधायक गीता जैन, महापौर डिंपल मेहता विधायक प्रताप सरनाईक, भाजपा जिलाध्यक्ष हेमंत म्हात्रे, शिवसेना शहर प्रमुख प्रभाकर म्हात्रे सहित मीरा-भायंदर के अनेक नगरसेवक नगरसेविकाएँ, विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी सहित अनेक गणमान्यवरों ने महापूजा में भाग लिया।

परोपकार की तरफ से निःशुल्क महाप्रसाद

केशवसृष्टि महोत्सव के दौरान सामाजिक संस्था परोपकार की ओर से प्रतिवर्ष भक्तों के लिए निःशुल्क मिनरल वाटर की व्यवस्था रहती है। उसी प्रकार इस वर्ष भी निःशुल्क मिनरल वाटर की व्यवस्था रही । उसके अतिरिक्त इस वर्ष सत्यनारायण महापूजा को लेकर कढ़ी खिचड़ी का सुमधुर प्रसाद भी निःशुल्क परोपकार की ओर से रहा। इस अवसर पर परोपकार भायंदर क्षेत्रीय समिति के श्री ओम प्रकाश गाड़ोदिया स्वयं केशवसृष्टि महापूजा को लेकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। केशवसृष्टि अन्नपूर्णा की ओर से न्यूनतम दर पर अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

रामरत्ना विद्या मंदिर प्रांगण में रही रौनक

इस वर्ष सत्यनारायण महापूजा का आयोजन रामरत्ना विद्यामंदिर के आम्बा बाग में होने से खूब रौनक देखी गई।

से महोत्सव द्वारा विभिन्न स्कूलों में आयोजित की गई चित्र कला प्रतियोगिता के चित्र पूजा स्थान पर जगह जगह लगाये गये थे। विद्यार्थिओं के द्वारा बनाये गए विवेकानंदजी के चित्रों की प्रर्दशनी के चित्रों की आभा देखते ही बनती थी।

गौशाला में भक्तों ने की गौसेवा

इसबार महापूजा के दौरान केशवसृष्टि गौशाला में भी दिनभर काफी रौनक देखी गई। महापूजा को लेकर गौशाला को भी ख़ूब सजाया गया। भक्तों के लिए गौशाला में बनाई गई छास दिनभर निःशुल्क रही। शीतल व सुमधुर छाँस का लोगों ने खूब आनन्द लिया और गौशाला में ही उत्पादनों की बिक्री स्टाल तथा न्यूनतम दर पर अल्पाहार की व्यवस्था का लोगों ने लाभ लिया। गौमाता को हरा चारा खिलाया व गौसेवा की। कुलमिलाकर केशवसृष्टि महोत्सव प्रतिवर्ष की तरह यादगार छाप छोड़ गया। कार्यक्रम की सफलता को लेकर केशवसृष्टि के अध्यक्ष एस. एस. गुप्ता ने शुभेच्छुकों के प्रति आभार प्रकट किया है।

प्राकृतिक वातावरण व हरे भरे वातावरण के बीच रंग बिरंगे परिवेश में श्रद्धालु खूब जच रहे थे। यहा पर विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा किये गए भजनों का लोगों ने जमकर आनंद उठाया। परिसर में वनौषधि कृषि सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की लगी प्रदर्शनियों का लोगों ने जमकर अवलोकन किया। कई उत्पादनों की खरीदी भी की। भक्तों के आने का सिलसिला दिनभर जारी रहा। इस दिन विवेकानद जयंती होने

महापूजा के दौरान सायनोफॉम के विद्यार्थी ने बनाया म्यूजियम

केशवसृष्टि में आयोजित सत्यनारायण महापूजा जो कि इस बार आम्बा बाग रामरत्ना विद्यामंदिर में सम्पन्न हुई, दत्त मंदिर के जीर्णोद्धार लोकार्पण के पश्चात अधिकांश लोगों का रुझान आम्बा बाग में देखा गया। वहीं उत्तन वनौषधि संसोधन संस्था में सायनोफॉम विभाग में एक विद्यार्थी द्वारा बनाया गया एक म्यूज़ियम भी आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ पर कौतुक नामक विद्यार्थी ने सायनोफॉम वैज्ञानिक डॉ. ऋत्विक के मार्गदर्शन में एक सुंदर म्यूजिय़म बनाया जहाँ पर कौतुक ने आने वाले लोगों को म्यूजियम के माध्यम से वनस्पति प्रणाली, जीव जंतु संबंधित, कीट विज्ञान संबंधित तथा भू गर्भीय तत्त्वों की कलेक्शन के बारे में जानकारी दी जो आकर्षण का केंद्र रही।

केशवसृष्टि - ग्राम विकास योजना

मासिक रिपोर्ट जनवरी, २०२०

संकल्प दिन ५ जनवरी

ग्राम कार्यकर्ता, शहरी युवा और ग्राम विकास की टीम का उत्साह बढ़ाने हेतु सभी गांवों से विवेकानंद शक्ति केंद्र प्रमुख, शहरी युवा, तथा ग्राम विकास की टीम के सदस्यों का औपचारिक एकत्रीकरण, संकल्प दिन के नाम से, विक्रमगड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हेडगेवार हॉस्पिटल के डॉ. प्रसन्न पाटील को संकल्प २०२२ विषय पर मार्गदर्शन करने के लिए बुलाया गया। डाहाणू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवींद्र घागस इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि रहे। श्री अरविंद मार्डीकर ने स्वागत तथा परिचय कराया। चुनिंदा ग्रामस्थों ने संकल्प का सादरीकरण किया। ग्रामस्थों ने तैयार किए संकल्प पत्र पर डॉ. घागसजी ने अपने विचार रखे। श्री संतोष गायकवाड ने संकल्पपूर्ति के काम में ग्राम विकास योजना की भूमिका स्पष्ट की और डॉ. प्रसन्न पाटील ने इस संकल्प को सही समय में पूरा करने के लिए, आगे करने के काम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

श्री बिमल केडिया ने अपने मार्गदर्शनपर भाषण में सभी ग्रामस्थ, मुंबई युवा तथा ग्राम विकास योजना की टीम की सराहना की और संकल्प किए गए कामों को पूरा करने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। १५० से ज्यादा की उपस्थिति में सभी विवेकानंद शक्ति केंद्रों के प्रमुख, माधव संस्कार केंद्रों के शिक्षक, ४० से अधिक मुंबई युवा शामिल हुए। संकल्प पूर्ति के लिए अपनी अपनी भूमिका स्पष्ट होने का काम इस कार्यक्रम के माध्यम से हुआ। सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी अपनी ज़िम्मेदारी का स्वीकार करते हुए संकल्पपूर्ति की शपथ ली।

बंबू रोपवाटिका अभ्यास दौरा
७ से ९ जनवरी

श्री संदेश बोरसे, श्री योगेश खांजोडे (चिंचपाडा), श्री सूरज महाले (डेंगाची मेट) और साईनाथ साठे ने (वसूरी) संपूर्ण बंबू केंद्र, मेलघाट, अमरावती का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वन-रोपवाटिका को भी भेट दी। रोपवाटिका अधिकारी, श्री इकबाल और विभाग वन अधिकारी श्री सलीम सय्यद ने उन्हे बंबू की ७४ प्रजातियाँ तथा बीज और राइझोम से बंबू का उत्पादन कैसे किया जा सकता है इसकी विस्तृत जानकारी दी।

ग्राम विकास की कृषी टीम के साथ, संपूर्ण बंबू केंद्र, मेलघाट, अमरावती के संस्थापक श्री सुनील देशपांडे रहे और उन्होंने टीम को वृक्षारोपण के लिए बंबू की प्रजाति का चयन करने हेतु मार्गदर्शन किया। टीम ने संपूर्ण बंबू केंद्र के लवादा स्थित उत्पादन केंद्र का भी दौरा किया। विक्रमगड में खड़े किये जाने वाले बंबू हस्तकला केंद्रों को मद्देनजर रखते हुए, बंबू के बारे में जानकारी तथा बंबू की रोपवाटिका खड़ी करने के लिए इस दौरे से भरपूर लाभ हुआ।

विवेकानंद शक्ति केंद्र खेल प्रतियोगिता १२ जनवरी

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस के अवसर पर सभी विभागों में विवेकानंद शक्ति केंद्रों की खेल टीमों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। पुरुषों के लिए कबड्डी तथा महिलाओं के लिए खो-खो का आयोजन किया गया। ५० से भी अधिक टीमें इन प्रतियोगिताओं मे सहभागी हुईं। सभी ग्रामस्थों ने इस कार्यक्रम में उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। विजेता टीमों को ट्रॉफ़ी और प्रमाणपत्र वितरित किया गया।

इन प्रतिगोगिताओं ने सभी गांववासियों को अनोखे बंधन में बांध दिया और उन के मन में उचित स्पर्धा की भावना जागृत की। सभी खिलाडियों ने उत्तम प्रदर्शन करते हुए इन प्रतियोगिताओं का आनंद लिया।

माधव संस्कार केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण २४ और २७ जनवरी

माधव संस्कार केंद्र के शिक्षकों का प्रशिक्षण विभाग १, २, ३, ४ के लिए वाडा कार्यालय में और विभाग ५, ६ के लिए दिव्य विद्यालय में आयोजित किया गया। हर दो महीनों में इस प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। श्री कैलास कुरकुटे और श्रीमती शिवाली काले ने प्रशिक्षण दिया जिसमें कृति गीत, कथा-कथन, हस्तकला, तथा योगसाधना

का समावेश किया गया। सभी संस्कार केंद्रों के शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण का लाभ लिया।

भारत माता पूजन तथा ग्राम स्वच्छता अभियान २६ जनवरी

ग्राम विकास योजना गणतंत्र दिन के अवसर पर भारतमाता पूजन का आयोजन हमेशा से करती आ रही है। इस साल इसी कार्यक्रम के साथ ग्राम स्वच्छता अभियान को जोड़ा गया। ध्वजारोहण हर विभाग में किया गया। अपनत्व की भावना से मुंबई युवाओं की उपस्थिति ने सभी ग्रामस्थों का तथा ग्राम विकास की टीम का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर ऑल इंडिया प्लास्टिक मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशन ने प्लास्टिक उठानेवाली लाठी, दस्ताने तथा थैली के २५० सेट सभी गांवों मे दिए। प्लास्टिक उठाने का अभियान सभी ६० गांवों में चलाया गया। ग्राम समिति सदस्य, शक्ति केंद्रों की टीम, संस्कार केंद्रों की टीम और सभी ग्रामस्थों ने मुंबई युवा और ग्राम विकास की टीम के साथ इस अभियान में भाग लिया। ४३८ थैली प्लास्टिक एकत्रित की गयी। हर एक थैली में तकरीबन ४ किलो के हिसाब से अंदाजन १७०० किलो प्लास्टिक जमा हुई।

इस अभियान को सभी गांवों में कायम स्वरूप से चलाया जाएगा जिस के लिए ग्राम विकास योजना हमेशा तत्पर रहेगी।

मुख्य विशेषताएँ

ध्वजारोहण तथा भारतमाता पूजन संस्कार केंद्रों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम महिलाओं का हलदी कुंकुं (कुछ गांवों में) ग्राम स्वच्छता अभियान

श्री किशोर संपत, ऑल इंडिया प्लास्टिक मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशन के खजीनदार और अधिकारी श्रीमती अंकिता इस

अवसर पर टेटवाली गांव में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का स्वरूप देखकर श्री संपत जी प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा 'ग्राम विकास योजना से जुड़े हुए सभी लोग हीरे हैं : जिनके साथ जुड़ना मैं मेरा सौभाग्य समझता हूँ' ।

श्री संजीव कामत जी ने कहा 'मेरी डोंगरीपाडा गांव की भेट के दौरान मैंने देखा कि गांवों के विकास के लिए ग्राम विकास योजना ने कठिन प्रयास किये हैं जो बहुत सराहनीय है। गांव के विकास के लिए नई पीढ़ी के युवाओं का प्रयास मैने देखा जो गांवों की मौलिक आवश्यकताओं के लिए ज़रूरी है जैसे अपने घरों के लिए पीने का पानी तथा शौचालय। मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं आपका शुक्रगुज़ार हूँ।

विक्रमगड द बांबू हब प्रोजेक्ट ग्रीन गोल्ड

बंबू हस्तकला, गहने तथा वास्तुनिर्माण का प्रशिक्षण इस महिने में शुरू हुआ। विक्रमगड तालुका के ९ गांवों में ३०० से अधिक कारीगर इस प्रशिक्षण का हिस्सा बने। इस प्रशिक्षण के दौरान ८० से भी अधिक बंबू की वस्तुएँ बनाई गई। इस प्रशिक्षण तथा प्रोजेक्ट की सफलता के लिए श्री गौरव श्रीवास्तव, श्री दिलीप घाटाल तथा उनकी टीम ने अथक प्रयास किया जिसे सभी ग्रामस्थ और प्रशिक्षार्थियों ने दिल से सहयोग दिया।

९ केंद्रों का उद्घाटन रविवार दिनांक २ फरवरी, २०२० को बंबू उत्सव के माध्यम से होगा। प्रशिक्षार्थी इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए काफी उत्सुक तथा तैयार हैं। उन के प्रयास से विक्रमगड को बंबू हब बनाने के लिए शक्ति मिलेगी जो ग्राम विकास योजना की दूरदृष्टि है।

प्रशिक्षण के दौरान किए गए बंबू के उत्पादः

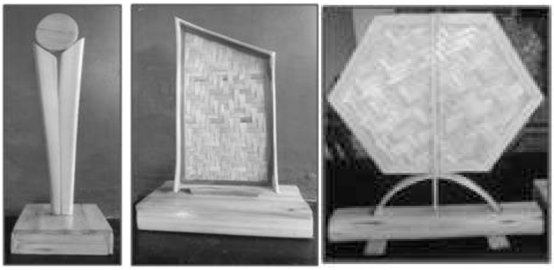

कृषी टीम ने विकसित किए हुए सेंद्रिय फसल के प्लाट

ग्राम विकास योजना की कृषी टीम, तूअर, फरसबी, वाल, तथा मटर जैसी सेंद्रिय फसल पर एक समय से काम कर रही है जो इससे पहले कभी भी वाडा क्षेत्र में लिए नहीं गये। कृषी टीम ने ६ गांवों में १४ किसानों की ज़मीन पर डेमो प्लाट विकसित किए है। नवीनतम तकनीक से विकसित की गई इन फसलों मे से डोंगरीपाडा गांव के भगवान जोगारी की ज़मीन से फरसबी निकाली गई। ८ किलो निकाली गई फसल को देख कर किसान समाधानी तथा प्रभावित भी है।

इन फसलों को खाद देने के लिए कृषी टीम ने वर्मिकंपोस्ट के बेड का निर्माण निहाली गांव में किया। इस बेड से ३०० किलो के उपर सेंद्रिय खाद निकला है जो सेंद्रीय फसल के लिए इस्तैमाल किया जाएगा। इस जैविक खाद को १५ से २० रूपया प्रति किलो के भाव से बेचा भी जा सकता है।

इस सेंद्रीय खाद निर्मिती ने सभी किसानों का मनोबल बढ़ाया है जिस से किसान सेंद्रिय खेती की ओर बढ़ेगा।

धन्यवाद!

तीन दिवसीय अक्षय ऊर्जा कैंम्प सम्पन्न

केशवसृष्टि अक्षय ऊर्जा की दिशा में निरंतर अग्रसर है तथा इस परिसर में अक्षय ऊर्जा को लेकर व्यापक स्तर पर कार्यक्रम कर गिनीज बुक्स, लिम्का बुक्स में भी केशवसृष्टि ने उपस्थिति दर्ज की है ।

केशवसृष्टि परिसर में २९, ३० व ३१ जनवरी २०२० को तीन दिवसीय अक्षय ऊर्जा कैम्प का आयोजन किया गया । रोटरी क्लब ऑफ वर्सोवा तथा सूरजबा विद्या मंदिर के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुल १०९ विद्यार्थिओं ने भाग लिया जिसमें सुराजबा विद्यामंदिर गुजराती मीडियम के २४ तथा इंग्लिश मीडियम के ८५ विद्यार्थिओं ने भाग लिया! इस कार्यक्रम में ६ शिक्षक व केशवसृष्टि से अरदीप राठौड़, गोविन्द झालुका व निशा मरोलिया ने क्वॉर्डिनेट किया ।

२९ जनवरी को एक कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें समीर पालेजा ने परमा कल्चर के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही प्रत्यक्ष कर्मा अभ्यास भी करवाया गया। रात्रि को प्रोफेसर प्रकाश पारधी द्वारा शिबिरार्थियों को तारा मंडल के बारे में भी बताया गया! ३० जनवरी को सौर वैज्ञानिक विवेक काबरा ने सोलार को लेकर विभिन्न सत्रों के माध्यम से विद्यार्थिओं को सोलार कुकर व सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी दी । उसी दौरान उन्होंने प्रैक्टिकल कार्यक्रम का आयोजन किया जहा विद्यार्थिओं ने अपने हाथ से आलू मटर चाट व केक बनाया तथा अपने हाथों से बनाये व्यंजन का आनंद लिया! शिविर के अंतिम दिन ३१ जनवरी को सुबह ट्रैकिंग व अन्य कार्यक्रमों के पश्चात समापन का कार्यक्रम हुआ जहाँ रोटरी क्लब के लायन राजेश चौधरी श्रीमती अनिता मेम सहित रोटरी क्लब के अन्य गणमान्यवर भी समापन समारोह में उपस्थित रहे जहाँ पर सौर ऊर्जा को लेकर राजेश चौधरी ने बच्चों की हौसला अफ़जाई की! इससे पहले २९ जनवरी को उद्घाटन सत्र में केशवसृष्टि के अनुपम शुक्ला व रोटरी क्लब के राजेश चौधरी उपस्थित रहे ।

केशवसृष्टि वनौषधि में हर रविवार को
आयुर्वेदिक जाँच की व्यवस्था

केशवसृष्टि वनौषधि केन्द्र में हर रविवार के दिन सुबह १० बजे से दोपहर एक बजे तक आयुर्वेदिक जाँच की व्यवस्था प्रारंभ हुई है। डॉ. रवींद्र जोशी एवम् डॉ. स्वाति जवलीकर इन दो आयुर्वेदिक डॉक्टरों ने यह सेवा देना प्रारंभ किया है। वानप्रस्थाश्रम के कई निवासियों ने इसका लाभ लिया । केशवसृष्टि में रहनेवाले लोग और आसपास के गांवों के नागरिक इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। जाँच के साथ आयुर्वेदिक दवाइयाँ भी दी जाती रही हैं।

रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी द्वारा

सिंगल यूज प्लास्टिक राष्ट्रीय परिषद

रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक (एस.यु.पी.) के विषय पर दि. १८-१९ जनवरी २०२० को राष्ट्रीय परिषद का आयोजन किया गया था। इस परिषद में १६ राज्यों से २०३ प्रतिभागियोंने सहभाग किया।

इस परिषद का उद्घाटन केंद्रीय कृषी राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने किया तथा डॉ. डब्ल्यू.आर.रेड्डी, महानिदेशक राष्ट्रीय ग्राम विकास एवम् पंचायत राज संस्था, श्री. प्रभज्योत सोढी, राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, वैश्विक पर्यावरण सुविधा, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, मीरा-भाईंदर की विधायक गीता जैन, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के महानिदेशक रवींद्र साठे, अरविंद रेगे, रवी पोखरणा, उमेश मोरे की उपस्थिति में यह आयोनज संपन्न हुआ।

इस परिषद में विविध उद्योगों के महानुभावोंने प्लास्टिक से हो रहे नुकसान को विस्तार से सबके समक्ष रखा। बड़े विस्तार से परिषद में किस प्रकार के सिंगल यूज़ प्लास्टिक की समस्या को कम किया जाए, इस विषय पर विचार मंथन हुआ। मुख्य रूप से परिषद में एकमत से प्लास्टिक की उपयोगिता पर सर्वसम्मति बनी, प्लास्टिक का ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाना इस समस्या का सबसे ठोस समाधान है। परिषद में पर्यायी उत्पाद की प्रदर्शनी की रचना हुई थी जिसमें कई स्टार्ट अपस् ने अपने उत्पाद रखे थे।

इस परिषद का समापन महाराष्ट्र राज्य के राज्यपाल भगत सिंग कोश्यारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस समापन में हीरानंदाणी ग्रुप के कार्यकारी निदेशक निरंजन हीरानंदाणी, प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, रेखा महाजन, रवींद्र साठे, रवी पोखरणा, उमेश मोरे उपस्थित थे।

समापन में भगत सिंग कोश्यारी ने कहा कि इस विषय पर समाधान बताना आसान है किंतु इसको व्यवहार में लाना कठिन है। प्लास्टिक हमारी दिनचर्या में शामिल हो चुका है, इसलिए इसको हटाना आसान नहीं है। आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है, यह समय की आवश्यकता है कि प्लास्टिक के पर्याय में नई वस्तुओं का आविष्कार किया जाए। जनजागरण और सही तरह से कूड़े के प्रबंधन से हम सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त भारत के लक्ष्य को पा सकते है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी ने किया केशवसृष्टि भ्रमण

केशवसृष्टि भारत को शक्तिशाली सामर्थ्यवान व संगठित करने की दिशा में अग्रसर है। यहाँ राष्ट्र उत्थान के क्रम में कई गतिविधियां सामूहिक प्रयास के रूप में चलती हैं। कई विशिष्ट लोग केशवसृष्टि पधारते हैं व यहाँ किये जाने वाले सेवा कार्यों का अवलोकन करते हैं।

इस क्रम में दिसम्बर में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी का केशवसृष्टि आगमन हुआ। वे रामभाऊ प्रबोधिनी में आयोजित वनवासी क्षेत्रों के सांसदों के विकास व उत्थान के क्रम में एक सम्मेलन में भाग लेने आये थे, उस दौरान उन्होंने केशवसृष्टि भ्रमण व केशवसृष्टि के बारे में जानकारी लेने का निर्णय लिया।

नड्डा जी ने सर्वप्रथम डॉ अजिंक्य स्मारक के निकट केशवसृष्टि के कार्यालय में भेट दीं जहाँ पर केशवसृष्टि के अध्यक्ष एस एस गुप्ता, कार्यवाह विनय नाथानी, केशवसृष्टि के पालक दाऊ दयाल शर्मा, अनुपम शुक्ला ने उनका स्वागत किया। इस दौरान नड्डा जी ने केशवसृष्टि के कार्यकलापों के बारे में जानकारी ली। यहाँ से सीधे वे केशवसृष्टि के पदाधिकारियों के साथ सिटी फारेस्ट पहुँचे। सिटी फारेस्ट का अवलोकन कर उत्तन वनौषधि संशोधन की ओर गये तथा वहाँ लगी वनौषधियों का अवलोकन कर गौशाला गये तथा गौशाला में गौ पूजन किया। गौ माताओं को चारा खिलाया जहाँ से सीधे विद्याप्रद हनुमानमन्दिर गए। पूजन किया, दर्शन किये तथा गदगद हो गए तथा केशवसृष्टि को देखकर पुन: आने की कामना की।

डॉ. जे पी नड्डा २०१२ में हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सदस्य बने। बिहार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पटना में सचिव भी रहे। वर्ष २०१४ में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय देखा।

जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री बने तो डॉ. जगतप्रकाश नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने व वर्तमान में उन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दायित्व है।

बालासाहेब देवरस सभागृह में सम्पन्न हुआ

कृतज्ञता समारोह

केशवसृष्टि के विशाल हरे भरे परिसर में और उत्तन विविध लक्ष्यीय शिक्षण संस्थान (UVLSS) के तत्त्वावधान में 'कृतज्ञता समारोह' का आयोजन गणतंत्र दिवस २६ जनवरी २०२० को ध्वजारोहण के पश्चात राम रत्ना विद्या मंदिर और रामरत्ना इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से बालासाहेब देवरस सभागृह में किया गया। यह आयोजन उन सभी पुराने सदस्यों और लाभार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने न केवल अपने अथक प्रयास अपितु समर्पण भाव से सेवा भी समर्पित की, इसके अतिरिक्त केशवसृष्टि और संबद्ध ट्रस्टों के विकास में आर्थिक सहायता भी प्रदान की, जिसमें ऊपर वर्णित दोनों स्कूल भी शामिल हैं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से किया गया। दीप प्रज्वलन विशिष्ट न्यासियों तथा दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के द्वारा किया गया। तत्पश्चात सभी मेहमानों को 'वृक्षारोपण समारोह' के लिए आमंत्रित किया गया, उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ राम रत्ना विद्या मंदिर के परिसर में लगभग पचास पौधे लगाये और उन वृक्षों का नामकरण मेहमानों के नाम पर रखा गया जिन्होंने उन्हें लगाया। कार्यक्रम के बाद, सभी मेहमानों को जलपान के लिए अन्नपूर्णा भवन में ले जाया गया। तत्पश्चात पुन: कार्यक्रम की शुरुआत रामरत्ना विद्या मंदिर के संगीत के शिक्षक श्री विशाल सिंह द्वारा दिल को छू जाने वाले गीत से हुई।

सभी अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत व सम्मान रामरत्ना विद्या मंदिर के माननीय अध्यक्ष श्री शरद बंसल जी ने किया। दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने विद्यालयों की प्रगति और विकास के आधार पर एक सूचनात्मक शक्ति बिंदु प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं।

स्कूलों द्वारा की गई नई पहल, छात्रों के लिए की गई विकास की गतिविधियों, अतीत और वर्तमान की उपलब्धियों आदि के बारे में जानकारियाँ विद्यालय के दोनों प्रधानाचार्यों के द्वारा अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रसारित की गईं जिनको सुनकर श्रोताओं ने प्रसन्नचित्त से बहुत ही सराहना की।

'कृतज्ञता समारोह' श्री विमल केडिया द्वारा संचालित किया गया, जो उत्तन विविध लक्ष्यीय शिक्षण संस्थान के संस्थापक और वरिष्ठ न्यासी सदस्य रहे। उन्होंने उत्तन विविध लक्ष्यीय शिक्षण संस्थान (UVLSS) के सभी वरिष्ठ सदस्यों और लाभार्थियों की सेवा और समर्पण भावना की हृदय से प्रशंसा की। उत्तन विविध लक्ष्यीय शिक्षण संस्थान (UVLSS) की ओर से, उन्होंने ट्रस्ट के सभी वरिष्ठ सदस्यों और सभी लाभार्थियों का कभी न खत्म होने वाले योगदान के लिए सहर्ष आभार व्यक्त किया।

कुछ वरिष्ठ सदस्यों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्होंने उन सभी दाताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने उत्तन विविध लक्ष्यीय शिक्षण संस्थान (UVLSS) को अपना आर्थिक समर्थन प्रदान किया था।

इस आयोजन का समापन रामरत्ना विद्या मंदिर की संगीत टीम के द्वारा राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ तथा दोनों स्कूलों के समिति सदस्यों ने इस कार्यक्रम के आयोजकों, समस्त न्यासियों तथा आगंतुक सदस्यों को सलामी और आभार प्रदर्शित करते हुए धन्यवाद दिया।

०००

प्रतिदर्श संयुक्त राष्ट्र संघ का आयोजन

विश्व शांति तथा व्यवस्था बनाए रखने के अतिरिक्त आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक समस्याओं को सुलझाना तथा पिछड़े राष्ट्रों के विकास में सहायता करना संयुक्त राष्ट्र संघ का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है। उसे यह कार्य सौंपा गया है कि मनुष्य के भौतिक अधिकारों की मान्यता में सहायता दे और इस बात को देखे कि धर्म, जाति, भाषा, लिंग आदि के आधार पर मनुष्य मनुष्य के बीच भेदभाव ना किया जाये। मनुष्य को मनुष्य होने के नाते समान अधिकार प्रदान करना संघ का महत्त्वपूर्ण कार्य है। विभिन्न राष्ट्रों को एक सामान्य केंद्र प्रदान करना, जहाँ पर एकत्रित होकर वे आपसी भेदभाव को सुलझा सकें।

इन्हीं उदेश्यों को अंगीकार करते हुए राम-रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय में दिनांक २२ और २३ नवम्बर २०१९ को (एम् . यू .एन ४) ठठखड चणछ-४ संघ का आयोजन किया गया। इस सत्र के आयोजन का उदेश्य वैश्विक स्तर पर छात्रों की नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। इस सत्र में विद्यालय के छात्रों ने संयुक्त राष्ट्र संघ की तरह ही प्रतिदर्श बनकर तथा कथित देश की प्रस्तुति दी। इस सत्र का विषय "WAR OF WORDS'(शब्द युद्ध) था।

इस वर्ष कार्यक्रम के उद्घाटन एवं समापन समारोह का आयोजन बालासाहेब देवरस सभागृह में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती के समक्ष दीपप्रज्वलित करके की गयी। उद्घाटन समारोह एक अच्छे विचार के साथ शुरू हुआ जिसमें एक चलचित्र के माध्यम से विद्यालय द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियाँ दिखाई गयी। तत्पश्चात सभी समितियों के सदस्यों का परिचय हुआ। तदोपरांत प्राचार्या जी के द्वारा कही गयी ज्ञानवर्धक बातों ने प्रतिनिधियों के बीच एक प्रेरणादायक ऊर्जा का संचार कर दिया जो वास्तव में अनुकरणीय था। इस सत्र में हमारे विद्यालय के साथ-साथ मुंबई के विभिन्न विद्यालयों के २०० प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दो दिवसीय सत्र में सम्मिलित सभी प्रतिनिधियों की बेहतर जानकारी के लिए सर्वप्रथम सत्र के सभी नियमों का स्पष्टीकरण किया गया। तदोपरांत सभी समितियों ने आधिकारिक तौर पर अपना सत्र प्रारम्भ किया।

समितियाँ और कार्यसूची

१. **यू. एन. एस. सी दक्षिण चीन सागर संघर्ष**
इस समिति में राष्ट्रों के मुद्दों को दुनिया की प्राथमिकता के साथ शांति और परिपक्वता से सुलझाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

२. **डी. आई. एस. इ. सी** सामान्य और पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में उपायों को मजबूत करना।
सम्पूर्ण समिति के समझौते द्वारा इस समस्याग्रस्त स्थिति के सकारात्मक पहलू को उजागर करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया।

३. **इ.सी.ओ.एस.ओ.सी** स्थायी खाद्य उत्पादन और वितरण की दिशा में वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना।
इस समिति में उत्साहपूर्वक संकल्प लिया गया कि राष्ट्रों के

सहयोग के साथ कठोर परिस्थितियों में आवश्यक उपायों को ईमानदारी के साथ लागू करना।

४. **लोकसभा** अनुच्छेद ३७० का हनन और इसका प्रभाव। देश की प्रमुख समस्याओं और मानवीय मुद्दों की चिंता को नजरअंदाज कर दिया गया। इस समिति में राजनीतिक अन्धकार छा गया जिसके वजह से यह समिति विफल रही।

५. **सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय राजनीतिक मंच** औद्योगिक विकास पर विशेष जोर देने के साथ कम आर्थिक रूप से विकसित देशों में सतत विकास पर चर्चा हुई।
इस समिति ने प्रस्ताव पारित किया जिसमें आर्थिक रूप से विकसित देशों को आख़िरकार न्याय मिला और बेहतर कल और स्वस्थ भविष्य के लिए आशा की किरण दिखाई दी।

६. **विश्व स्वास्थ्य संगठन** महामारी और वैश्विक स्वास्थ्य पर चर्चा हुई।
इस समिति ने प्रस्ताव पारित किया कि संगठित और नैतिक तरीके से नागरिकों के कल्याण का विशेष ध्यान रखना चाहिए जो कि सराहनीय था।

७. **यू.एन .एच.आर.सी** डी. पी. आर. के. में मानवाधिकारों की स्थिति पर चर्चा की गई।
इस समिति में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसे सभी राष्ट्रों द्वारा दृढ़ता से समर्थन दिया गया। अंत में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया ने उत्पीड़न और हार स्वीकार कर ली।

८. **विश्व व्यापार संगठन** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली में क्षेत्रीय व्यापार समझौते की भूमिका पर चर्चा की गई।

इस समिति में एक प्रस्ताव पारित हुआ जिसमें सभी राष्ट्र सत्र के दौरान किये गये निर्णयों पर सहमत थे, जहाँ सभी राष्ट्रों के नियम और कानून की सीमाएँ और सीमाओं का ध्यान रखा गया।

प्रथम और दूसरे दिन सभी प्रतिनिधियों ने बड़ी निडरता के साथ अपने विचारों को कूटनीतिक तरीके से सभी के सामने रखते हुए सभी को अपनी ओर आकर्षित किया।

अंत में सभी की नजरें उस मंच पर टिक गईं जहाँ सभी अध्यक्ष और सह अध्यक्ष प्रतिनिधियों द्वारा दिखाए गए संकल्पों की सराहना करने के लिए मंच पर आये और परिणामों की घोषणा की। सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभागृह को गुंजायमान कर दिया। दो दिनों की बहस, चर्चाओं और संकल्पों का सारांश एक छोटे से चलचित्र के माध्यम से सभी के समक्ष खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के पूर्व छात्रों ने कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने के लिए बहुत सराहनीय कार्य किया। उनके प्रयासों से कार्यक्रम बहुत सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ। निश्चित रूप से बिना असफल हुए गर्व के साथ विद्यालय ने सफलता प्राप्त की।

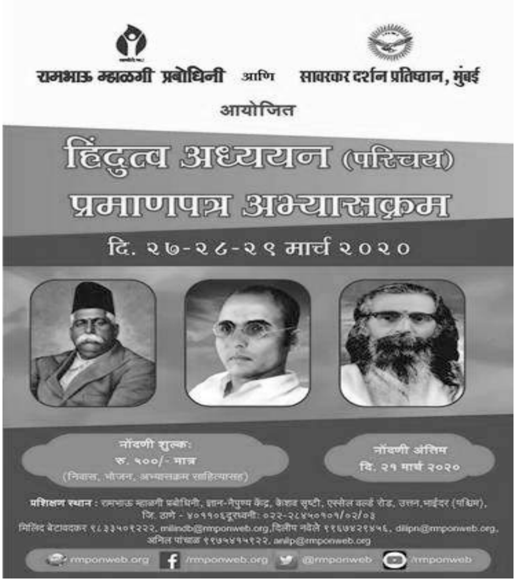

सस्नेह नमस्कार!

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी आणि सावरकर दर्शन प्रतिष्ठान, मुंबई यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'हिंदुत्व अध्ययन (परिचय) प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम' दि. २७-२८-२९ मार्च २०२० या कालावधीत योजण्यात आला आहे. या अभ्यास क्रमासाठी ज्यांना आपले नाव नोंदवायचे आहे त्यांनी कृपया त्वरित संपर्क करावा.

नोंदणी कार्यालय :-
१७, चंचल स्मृती, गं.द. आंबेकर मार्ग,
श्रीराम इंडस्ट्रियल इस्टेट समोर, वडाळा, मुंबई - ३१.
दूरध्वनी - ०२२-२४१८५५०२, २४१३६९६६

संपर्क :- मिलिंद बेटावदकर - ९८३३५०९२२२
दिलीप नवेले - ९९६७४२९४५६
अनिल पांचाळ - ९९७५४१५९२२

वार्षिक स्नेहसंमेलन संपन्न २०१९-२०

केशवसृष्टि कृषी तंत्रनिकेतन में दिनांक २८ दिसंबर २०१९ को वार्षिक स्नेहसम्मेलन मृदगंध २०१९ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में दीपप्रज्ज्वलन और प्रतिमा का पूजन किया गया। इस खास अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मराठी सिनेमा, नाटक और धारावाहिक के लेखक और निर्देशक श्री. राजेश देशपांडे उपस्थित थे। लार्सन ऐंड टुब्रो कंपनी के टॅक्सकंसल्टंट श्री. श्रीपाद जोशी, लेखक श्री. विनायक कुलकर्णी, व्यवस्थापन समिति के सदस्य विवेकजी, संस्था के सदस्य श्री. अशोक जगे उर्फ काका और प्रधानाचार्य अनघा मांडवकर आदि मंचपर उपस्थित थे।

प्रथम वर्ष के छात्रोंं ने ईशस्तवन और स्वागत गीत सादर किया। फिर अतिथि का स्वागत और इस कार्यक्रम में सहयोगी संस्थाओं के प्रमुख भी उपस्थित थे, उनका भी स्वागत नारियल, शाल और टॅरॅरियम देकर किया।

आ. प्रमुख अतिथि श्री. राजेश देशपांडे जी ने अपना मनोगत व्यक्त करते हुए कहा कि किसान खेती कर रहा है, इसलिए हम हैं। इसी के साथ उन्होंने अपने बचपन के गाँव के खेती के किस्से सुनाये।

मा. प्रधानाचार्य जी ने प्रास्ताविक में संस्था और केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन की प्रगति और अभी तक के सफर के बारे में बताया। उन्होंने विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि १९८३ से २०१९ तक संस्था से जुड़े सभी लोगोंका, संस्था के सदस्य, व्यवस्थापन समिती, शिक्षकवृंद, विद्यालय के हितचिंतक, विद्यार्थीगण और कर्मचारीयों की ध्येयनिष्ठा, लगन और ईमानदारी की वजह से यह संस्था खड़ी है।

उत्तन कृषी संशोधन संस्था के हितचिंतक श्रीमती. विद्या अकोलकर ने अपने मनोगत में कृषी की छात्राओं की तारीफ़ की। उसी समय उन्होंने प्रथम वर्ष की छात्रा कु. वैजंती पादीर ने लिखी हुई कविता 'आई तुझी माया पेढयाहून गोड' पढ़के सुनाई।

इस के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। 'स्त्री शक्ति का अविष्कार' यह इस वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम का विषय था। उस समय इंग्लिश विंग्लिश, मुलगी नको ग बाई, चूक आपलीच होती आदि लघुनाटिका और 'सुनो द्रौपदी शस्त्र उठा लो, अब गोविंद न आयेंगे,' 'तूच तुझी वैरी' आदि कविताएँ प्रस्तुत की गयी। मल्हार-मल्हार, गल्ला गोरिया, दंगल दंगल, चले चलो, जिंदा, मर्द मराठा लेझी डान्स, विजयी भव, तू न जाने आसपास, ऐसा क्यों है आदि गीतोंपर नृत्य प्रस्तुत किये गये। सभी प्रेक्षकोंने उसका आनंद लिया।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन श्रीमती. मनिषा जाधव ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का सूत्रसंचालन छात्रोंने किया। उसमें प्रसाद आव्हाड, प्रसाद पवार, देवेश पांचाळ, मनोज जोगळेकर, श्रद्धा पाष्टे, आकांक्षा किणी, जागृती खोडका, हर्षला भोईर, अनिकेत कांबळे और श्रेया दुबळा शामिल थे। स्नेहसंमेलन में केशवसृष्टि के सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थियों के पालक उपस्थित थे।

श्री. अभय चौधरी जीने कार्यक्रम में आये सभी लोगों के आभार व्यक्त किए। विषेश सहयोग के लिए प्रधानाचार्य अनघा मांडवकर और श्री. योगेंद्र माने जी के आभार व्यक्त किये।

वार्षिक खेलोत्सव २०१९-२०

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन के दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का आयोजन १०-११ दिसंबर सन २०१९ को केजरीवाल स्टेडीयम में बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तन गाँव में रहनेवाली महिला पुलिस जिन्होंने महाराष्ट्र पुलिस को एथलेटिक्स खेल में एक नहीं बल्कि तीन सुवर्ण पदक जिताके दिये वे माननीय श्रीमती हेमा भंगाजी, केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन की प्रधानाचार्या प्रा. अनघा मांडवकर, केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन के सभी शिक्षकों की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी छात्रोंने राष्ट्रगान के बाद सुन्दर गीतों के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

यह कार्यक्रम दो दिन तक सुबह ९.०० से प्रारम्भ होकर सायं ६.०० बजे तक चला। इस खेलोत्सव में सांघिक एवम् व्यक्तिगत खेलों का समावेश रहा। सांघिक खेलो में युवा-युवतिओं के कबड्डी, वॉलीबॉल, खो खो, रिले रेस एवम् क्रिकेट का समावेश रहा। वैयक्तिक खेलों में १०० मी दौड़, २०० मी दौड़, थाली फेंक, गोला फेंक, लाँगजम्प, हाइजम्प, कॅरम, चेस आदि खेलोंका समावेश रहा।

प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के युवा और युवतिओंकी अलग-अलग टीमें थीं। और सभी खेलों का प्रदर्शन बड़े ज़ोर शोर से हुआ। सभी प्रतियोगिओं का उत्साह सहपाठियोंने ख़ूब बढ़ाया।

आ. प्रमुख अतिथि श्रीमती हेमा भंगा ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि खेल हम सभी के प्रतीदिन के जीवन के लिए बहुत अच्छा होता हैं। क्योंकि यह हमें स्वस्थ वातावरण में सामान्य शारीरिक गतिविधियों में शामिल करता है। खेल का वातावरण खिलाड़ियों के लिए बहुत ही प्रतियोगी और चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसलिए वे चुनौतियों को सामने रखकर उन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, खेलों से शारीरिक सुन्दरता बरकरार रहती है। इस कारण हमारी मानसिकता भी सुंदर हो जाती है। खेल खेलना हमें जीवनभर बहुत तरीकों से मदद करता है। हमें हमेशा अपने जीवन में सकारात्मक रहना चाहिए।

प्रधानाचार्या प्रा. अनघा मांडवकर जी ने कहा कि कुछ खिलाड़ी बचपन से ही मानो भगवान का उपहार लेके आतें है, पर कुछ लोगों में रुचि बढ़ानी पड़ती है। हम सब को अपने माता-पिता, अध्यापकों या प्रसिद्ध खिलाड़ी से प्रेरणा प्राप्त करने और प्रोत्साहीत होने की आवश्यकता होती है। खेलों में रुचि रखनेवाले चाहे हारे या जीतने से वंचित रह जाएँ, पर वे कभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को करना नहीं छोड़ते। वे पहले से ही इस वास्तविकता को जानते हैं कि, वे कभी खेल जीतेंगे और कभी हारेंगे भी। सफलता पाने के लिए वे पूरे जीवनभर बहुत ही अनुशासित रहते हैं। और यही संदेश उन्होंने सभी छात्रों को दिया कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए अपने कार्य के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ नियमित अभ्यास एवम् प्रयास करते रहें।

क्रीड़ा प्रमुख श्री हेमंत केदारजीने प्रमुख अतिथियोंका परिचय कराया। खेलोत्सव का सूत्र संचलन का दायित्व छात्रोंने हेमंत सर के मार्गदर्शन में बहुत ही उम्दा तरीके से निभाया।

वार्षिक खेल दिवस दिनांक : ७ दिसंबर २०१९

स्वास्थ्य ही संपत्ति है और इस संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए हमें व्यायाम की आवश्यकता होती है। व्यायाम दो प्रकार के होते हैं, एक नृत्य और दूसरा खेलकूद। खेलकूद हमारे जीवन में बहुत महत्त्व रखता है। दूसरे शब्दों में, स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर का होना अनिवार्य है। इसी कथन की सार्थकता हेतु राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय ने नौवें वार्षिक खेल दिवस का आयोजन केजरीवाल क्रीडांगन में किया।

सर्व प्रथम मुख्य अतिथि श्रीमान मेर्ज़बान पटेल जी का छात्रों ने केसर-कुमकुममिश्रित तिलक लगाकर अभिनन्दन एवं वंदन किया। तदोपरान्त दीप प्रज्वलित करके खेल दिवस कार्यक्रम का आरंभ किया गया। विद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. स्मिता गांधी जी ने मुख्य अतिथि श्रीमान मेर्ज़बान पटेल जी का परिचय दिया। मुख्य अतिथि के पद को सुशोभित करने वाले श्रीमान पटेल जी, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्रीय खेल 'हॉकी'

के नाम कर दिया, उन्हें खेल के सर्वोच्च सम्मान 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है। वर्तमान समय में वे 'चिल्ड्रेन्स अकादमी ग्रूप' में कार्यरत हैं। वे आज भी ज़रूरतमंद बच्चों को निःशुल्क और निःस्वार्थ भाव से हॉकी की शिक्षा देते हैं।

मुख्य अतिथि जी ने अपने स्वर्णिम शब्दों से छात्रों का प्रोत्साहन बढ़ाते हुए उनका मार्गदर्शन किया। तदोपरान्त विद्यालय की प्राचार्या डॉ. जया पारेख जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों, कर्मचारियों तथा छात्रों का अत्यंत विनम्रतापूर्वक स्वागत किया और छात्रों की कड़ी मेहनत और लगन को प्रोत्साहित करते हुए उनके उत्साह की सराहना की।

विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने अपने सदन प्रमुख के साथ छात्र प्रमुख तन्मय चौधरी तथा प्रमुख छात्रा तनिषा खंडेलवाल के निर्देशन में कदमताल करते हुए उपस्थित सभी माननीय अतिथियों को सलामी दी। खेलोत्सव के सूत्र संचालन का दायित्व छात्रों ने अपने शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में बहुत ही अच्छी तरह निभाया। संचालन की भाषा हिंदी, अंग्रेजी तथा संस्कृत थी। इन तीन भाषाओं के संयोग ने संचालन में दर्शकों का ध्यान केन्द्रित कर रखा था। विद्यालय के स्वर्ण पदक से सम्मानित छात्रों को मुख्यातिथि जी ने मशाल प्रदान की, जिसमें क्रमश: दस छात्रों ने एक दूसरे को मशाल हस्तांतरित करते हुए खेलोत्सव का आरंभ किया। प्राचार्या डॉ. जया पारेख जी ने मुख्य अतिथि जी को सभी सदनों के सदन प्रमुखों से परिचय कराया। छात्राप्रमुखतनिषा खंडेलवालने सभी को शपथ ग्रहण करायी। तद उपरांत मुख्यातिथि जी ने औपचारिक रूप से वार्षिक खेल को प्रारम्भ करने की घोषणा की।

सर्व प्रथम पूर्वप्राथमिक के छात्रों ने बहुरूपदर्शक खेल प्रस्तुत किया। जिसमें नर्सरी की लड़कियों ने मैं रानी हूँ, लड़कों ने रन वेटर रन, जूनियर के जी की लड़कियों ने 'फिन द फ़िश' सीनिअर केजी की लड़कियों ने पहेली सुलझाने की चुनौती, लड़कों ने बॉबिंग फॉर कॉइन आदि सृजनात्मक खेलों से दर्शकों का मन मोह लिया। तत्पश्चात कक्षा पहली व दूसरी के छात्रों ने दौड़ लगाई।

स्काउट और गाईड के छात्रों ने अद्‌भुत प्रदर्शन किया। तत्पश्चात कक्षा तीसरी और चौथी की छात्राओं ने फ्लैग रेस तथा छात्रों ने स्वच्छ भारत अभियान खेल को प्रस्तुत किया। तदोपरान्त फुटबॉल खेल के खिलाड़ियों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। कक्षा पाँचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रस्तुत की।

खेल के कार्यक्रम को अग्रसर करते हुए ताइक्कान्डो प्रशिक्षक श्रीमान दयानंद शेट्टी के योजना बद्ध तथा कुशल निर्देशन में छात्रों ने प्रशंसनीय प्रस्तुति दी। उनके सामंजस्यपूर्ण तथा समवेत प्रदर्शन ने दर्शकों की करतल ध्वनिको अति तीव्र बनाया। ताइक्कान्डो कला का अदभुत प्रदर्शन करने के साथ माध्यमिक विभाग के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया और फिर कक्षा नौवीं तथा दसवीं के छात्रों ने सौ मीटर की दौड़ का अद्‌भुत प्रदर्शन किया। कक्षा सातवीं, आठवीं, नौवीं तथा दसवीं के विद्यार्थियों ने रिले रेस का आयोजन किया। अभिभावकों के लिए भी होप रेस तथा चालीसपद खेल का आयोजन किया गया जिसमें अभिभावकों ने अभिनन्दनीय सहभागिता दी।

उपस्थित गणमान्य अतिथियों के साथ विद्यालय की प्राचार्या जी ने सभी विजेताओं को ट्रॉफ़ी, पदक तथा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। कदमताल हेतु सर्वश्रेष्ठ सदन का ख़िताब ईशान्य सदन को दिया गया। सत्र २०१९-२० के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ख़िताब वायव्य सदन के छात्रों ने प्राप्त किया। 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी छात्र' का पुरस्कार कनिष्ठवर्ग के लिए सवित बंगेरा तथा वरिष्ठ वर्ग के क्रिश मायावंशी को दिया गया। इसी क्रम में 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी छात्रा' का पुरस्कार कनिष्ठ वर्ग के लिए निष्ठा मोरे तथा वरिष्ठ वर्ग के लिए तनिषा खंडेलवाल ने प्राप्त किया। विजयी अभिभावकों को प्रमाण पत्र तथा पदक देकर सम्मानित किया गया। तद्‌पश्चात खेल कप्तान आर्यन सिंह ने खेल का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

खेल एक बहुत ही अच्छा व्यायाम है। इसी व्यायाम को कक्षा दूसरी, तीसरी और चौथी के बच्चों ने एरोबिक, हुल्ला-हुप तथा तालियों पर आधारित व्यायाम प्रस्तुत किया जो कि हमारी स्फूर्ति तथा स्मृति को बढ़ाने में सहायता करता है। बच्चों के जोश को उत्साहित करने हेतु पूरे क्रीड़ांगन में तालियाँ गूंज उठी।

विद्यालय के गतिविधि-कप्तान श्रेयश देशपांडे, गौरव डेडिया और अमन अग्रवालने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्राचार्या जी ने औपचारिक रूप से वार्षिक क्रीड़ा दिवस के समापन की घोषणा की। अंत में सभी ने सावधान मुद्रा में समवेत स्वर में राष्ट्रगान गाया। खेल दिवस का अनुभव सभी के लिए अनुशासनपूर्ण होने के साथ-साथ बहुत ही रोमांचकारी भी रहा।

राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय मे नौवें वार्षिक खेल दिवस का आयोजन।

मुख्य अतिथि के रूप में मराठी सिनेमा, नाटक और धारावाहिक के लेखक और निर्देशक **श्री. राजेश देशपांडे** उपस्थित थे।

तीन दिवसीय अक्षय ऊर्जा कैम्प सम्पन्न

उत्तन गाँव में रहनेवाली महिला पुलिस माननीय **श्रीमती हेमा भंगाजी,** के साथ केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन की प्रधानाचार्या **प्रा. अनघा मांडवकर**

राम रत्ना विद्या मंदिर में गणतंत्र दिवस पर मनाया गया कृतज्ञता समारोह

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. - संपादक : **सुदर्शन शर्मा**